



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 359] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 9, 1977/कार्तिक 18, 1899

No. 359] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 9, 1977/KARTIKA 18, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 9th November 1977

G.S.R. 688(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes, with effect from the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette the following alterations in the First Schedule to the said Act, namely:—

In Part VII of the First Schedule to the said Act, in the entries relating to the Port of Mormugao in column 3 for the words "Not exceeding Rupee one and fifty paise per ton", wherever they occur, the words "Not exceeding rupee five per ton" shall be substituted

[No F PGR-106/77-I]

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1977

सा० का० नि० 688(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, राजपत्र

(2155)

में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की समाप्ति से उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्तन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग VII में, मारमुगाव पत्तन में सम्बन्धित प्रविष्टियों में, स्तम्भ 3 में, “एक रुपया और पचास पैसे प्रति टन से अधिक” शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आये हों, शब्द “पाच रुपए प्रति टन से अनधिक” रखे जायेंगे।

[सं. का० पी० जी० आर०-106/77-I]

**G.S.R. 689(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33, read with section 34, of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No GSR-39(E), dated the 7th July, 1975, the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the official Gazette, port dues shall be levied on vessels entering the Port of Mormugao and described in column (1) of the Schedule hereto annexed at the rates specified in column (2) thereof and at the time fixed in column (3) of the said Schedule

#### SCHEDULE

Vessels chargeable	Rate of port dues per ton	Dues how often chargeable in respect of the same vessel
(1)	(2)	(3)
1. Vessels from 200 tons upto 1000 tons . . . . .	Rs. 0.90 paise	Once in the same month.
2. Vessels of over 1000 tons . . . . .	Rs. 1.80 paise	Once in the same month.
3. Country craft, tugs launches and barges . . . . .	Rs. 0.90 paise	Once in the same month
4. Country craft carrying ore only . . . . .	Nil	Nil

[No F PGR-106/77-II]

सा० का० नि० 689 (घ) अ.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, तथा भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सा० का० नि० सं० 399(ई) तारीख 7 जुलाई, 1975, को अधिक्रान्त करते हुये, निदेश करती है कि, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के अवसान के ठीक आगामी दिन से, मारमुगावो पत्तन में प्रवेश करने वाले तथा इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में वर्णित, जलयानों पर, उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में दी गई दरों पर, तथा स्तम्भ (3) में नियत समय पर पत्तन शुल्क उद्ग्रहणीय होंगे।

#### अनुसूची

प्रभार्य जलयान	प्रति टन पत्तन शुल्क की दर	एक ही जलयान पर शुल्क कितनी बार प्रभार्य है
(1)	(2)	(3)
(1) 200 टन से 1000 टन के जलयान	रु० 0.90 पैसे	एक मास में एक बार

1	2	3
(2) 1000 टन से अधिक के जलयान	रु० 1 80 पैसे	एक मास में एक बार
(3) देशी यान, टग, लाच और बार्ज	रु० 0 90 पैसे	एक मास में एक बार
(4) केवल ग्रयस्क ले जाने वाले देशी यान	कुछ नहीं	कुछ नहीं

[सं० फा० पी० जी० आर०-106/77-II]

**G.S.R. 690(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, namely,—

1. (1) This Order may be called the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Second Amendment Order, 1977.

(2) It shall come into force at once

2. In the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, for part A of the Schedule, the following shall be substituted, namely,—

#### THE SCHEDULE

##### PART A

##### Pilotage Fees

- (1) Piloting vessels in and out of Port-leviable on all vessels (Inward and Outward Pilotage) Rs. 1.20 (Inward and Outward subject to a minimum of Rs. 4000/- per vessels.

##### (a) Shifting Charges :

Sl. No.	Vessel	Nature of Services <sup>1</sup> Stream to Berth & berth to stream or change of berths	Change of Anchorage
1	2	3	4
(Shifting charges payable per vessel per operation)			
		Rs	Rs
(a)	Upto 2200 NRT	380	340
(b)	Over 2200 and upto 6600 NRT	550	440
(c)	Over 6600 and upto 8600 NRT	700	550
(d)	Over 8600 and upto 10000 NRT	770	610
(e)	Over 10000 NRT	840	680

**NOTE**—The above charges are exclusive of Tug assistance. Charges for the use of Tug will be governed by Sl No 76 and 76(a) of the Schedule of Harbour and Railway Rates

##### Detention Fee

- (i) If the vessel is not able to move within thirty minutes of the pilot boarding it for the purpose of pilotage, it shall be liable to pay an extra charge at the rate of Rs 120/- per half an hour or past thereof beyond thirty minutes, till it moves.
- (ii) If the movement of a vessel is cancelled after the pilot has boarded it, a cancellation charge of Rs. 300 00 shall be levied.
- (iii) If the movement of a vessel is cancelled within two hours before the pilot has boarded it, a cancellation charge of Rs 300 00 shall be levied.

- (iv) If an outward bound vessel carried away a pilot outside the Port limits due to bad weather, compensation at the rate of Rs. 180.00 per day shall be payable by the master of the vessel till the pilot reports back for duty at the Port. In addition, the board and loading expenses of the pilot on board the ship and the cost of sending him back to the port shall also be payable by the master of the vessel.

NOTE—Facilities do not exist at present in the Port for the pilotage of vessels in hours beyond the daylight hours

## PART B

### Mooring and Remooring Fees

Mooring, remooring and unmooring Rs. 210.00 per operation,

[No F PGR-106/77-III]

V. R. MEHTA, Jt. Secy.

सा० का० नि० 690(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1967 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् —

1. (1) इस आदेश का नाम मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) द्वितीय संशोधन आदेश, 1977 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1967 में, अनुसूची के भाग क के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

अनुसूची

भाग—क

मार्गदर्शन फीस

- (1) पत्तन के भीतर और बाहर मार्गदर्शन के लिए सभी जलयानों पर उद्ग्रहणीय (भीतर और बाहर की ओर) प्रति एन आर टी, न्यून-तम 4000 रु० प्रति जलयान, के अधीन रहते हुये।

(2) स्थानान्तरण प्रभार :

क्रम सं०	जलयान	सेवाओं की प्रकृति	लंगरगाह का परि- वेतन
		घाटा से घाट और घाट से घाटा या घाटों का परिवर्तन	
(1)	(2)	(3)	(4)
		(प्रत्येक जलयान पर प्रत्येक सक्रियता के लिए संदेय मार्गदर्शक फीस)	
		रु०	रु०
(क)	2200 एन आर टी तक	380.00	340.00

(1)	(2)	(3)	(4)
(ख)	2200 से ऊपर और 6600 एन आर टी तक	550.00	440.00
(ग)	6600 एन आर टी से ऊपर और 8600 एन० आर टी तक	700.00	550.00
(घ)	8600 एन आर टी से ऊपर और 10000 एन आर टी तक	770.00	610.00
(ङ)	10000 एन आर टी से ऊपर	840.00	680.00

**टिप्पण.**—उपर्युक्त प्रभार कर्पनाव महायता के अलावा है। कर्पनाव के प्रयोग के लिए प्रभार, बन्दरगाह और रेल दरो की अनुसूची की क्रम सं० 76 और 76(क) द्वारा शासित होंगे।

#### एकई प्रभार

- (i) यदि मार्गदर्शन के प्रयोजनार्थ, पाइलट के जलयान में चढ़ने के तीस मिनट के भीतर जलयान चलने में समर्थ न हो तो वह जब तक उसका संचलन न हो तब तक के लिए प्रति आधे घंटे या उसके भाग के लिए 120.00 रुपए की दर में अतिरिक्त प्रभार का सदान करने के लिए दायी होगा।
- (ii) यदि जलयान में पाइलट के चढ़ने के पश्चात् उसका संचलन रद्द कर दिया जाए तो 300.00 रु० रद्दकरण प्रभार उद्ग्रहणीय किया जाएगा।
- (iii) यदि जलयान में पाइलट के चढ़ने से दो घण्टे पूर्व उसका संचलन रद्द कर दिया जाए तो 300.00 रु० रद्दकरण प्रभार उद्ग्रहीत किया जाएगा।
- (iv) यदि कोई बाध्यगामी जलयान, खराब मौसम के कारण पाइलट को पत्तन-सीमाओं से बाहर ले जाए तो जब तक कि पाइलट पत्तन पर वापिस पहुंच कर ड्यूटी के लिए रिपोर्ट न करे, जलयान के मास्टर द्वारा 180.00 प्रति दिन की दर में प्रतिफल देय होगा। इसके अतिरिक्त, पौत पर पाइलट के आवास और भोजन का खर्च तथा उसे पत्तन वापिस भोजन की व्यवस्था भी जलयान के मास्टर द्वारा मदेय होगा।

**टिप्पण.**—साम्प्रति पत्तन में, दिन के प्रकाश के घटी के बाद के समय के लिए जलयानों के मार्गदर्शन के लिए सुविधाये विद्यमान नहीं है।

#### भाग ख

#### मूरिंग और पुन. मूरिंग की फीस

मूरिंग पुन. मूरिंग या मूरिंग खोलना

210.00 प्रति सक्रिय

[स० पी० जी० फा०-106/77-III]

वीरेन्द्र राज मेहता, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

